साप्ताहिक विच्छेदित पाठ्यक्रम 2023-24					
CLASS - 12 SUBJECT - संस्कृत					
माह	**सप्ताह**	**पाठ का नाम**	**पाठ के उपखण्ड**	**कालांश**	**अधिगम प्रतिफल**
June 2023	प्रथम्	पूर्वज्ञानावलोकन	व्याकरणादि	2	1 . पूर्व ज्ञान का पुनः स्मरण
	दवितीय	पाठ्यक्रम-विमर्श		1	
		विद्ययाऽमृतमश्नुते	पाठ-परिचय,प्रथम श्लोक	1	1.वैदिक साहित्य की समझ 2.मंत्रवाचन एवं छंदों का ज्ञान 3.उपनिषद् के महत्व की समझ। 4.त्यागभावनाएवं कार्य में अभिरुचि 5.ज्ञान-अज्ञान की समझ का विकास
			द्वितीय एवं तृतीय श्लोक	1	
			चतुर्थ एवं पंचम् श्लोक	1	
			षष्ठ एवं सप्तम् श्लोक	1	
	तृतीय		पाठ की पुनरावृत्ति एवमअभ्यास	2	
		सन्धि:	स्वरसन्धि:	1	1.वर्ण में हो रहे परिवर्तन की समझ 2.परिचृछेद एवं संधि की समझ 3.नियम-निर्धारण की क्षमता का विकास 4.तर्कशक्ति का विकास
			। दीर्घ स्वर संधि:)		
	चतुर्थ		गुण , वृद्धि,यण्, अयादि, पूर्वरूप	4	
	पंचम्		पररूएवं पररूप एवं प्रकृतिभाव:	4	
			वंयंजन संधि:	1	
			संधि पुनरावृत्ति	1	
	प्रथम		पाठ संदर्भ एवं परिचय	1	1.महाकाव्य की विस्तृत जानकारी संस्कृत साहित्य में अभिरुचि 3.श्लोक पठन एवं वाचन के सामर्थ्य का
			पाठ अध्यापन	6	

July	प्रथम एवं द्वितीय	रघुकौत्ससंवाद:	पुनरावृत्ति एवं अभ्यास	2	3.श्लोक पठन एवं वाचन की शुद्धता का विकास 4.दानशीलता 5.अतिथि सत्कार में निष्ठा का विकास 6.छन्द-लय एवं यतिपूर्ण श्लोक वाचन की क्षमता का विकास 7.नैतिक मूल्य का विकास
			गृहकार्य	1	
	द्वितीय	गृहकार्य अवलोकन एवं पूर्व पाठ पुनरावृत्ति		1	
	तृतीय	बालकौतुकम् (तृतीय पाठ:)	पाठ-परिचय	1	1.नाटक की समृद्ध परंपरा का विकास 2.संवाद कौशल में अभिवृद्धि 3.भावपूर्ण अभिनय क्षमता का विकास 4.व्यावहारिक मूल्यों एवं सांस्कृतिक परंपराओं की समझ 5.पुरुषार्थ की अभिप्रेरणा
			नाट्याध्यापन	3	
			पुनरावृत्ति एवं अभ्यास	1	
		विसर्ग संधि	सम्पूर्ण विसर्ग संधि		1.अधिगम प्रतिफल पूर्ववत्
			(सत्व,रूत्व,उत्व,लोप,शषस्)	3	
	चतुर्थ	संधि	पुनरावृत्ति	1	
		कर्मगौरवम (चतर्थ	श्रीमद्भागवत गीता का परिचय।एवं पाठ की पूर्व पीठिका	1	1.उपजीव्यकाव्य महाभारत की विशिष्ट ता का ज्ञान 2.ज्ञानयुक्त कर्म की प्रेरणा 3.कर्मफल से विरत
			पाठ अध्यापन	5	

	चतुर्थ एवं पंचम	:पाठ)	पाठ पुनरावृत्ति एवं अभ्यास	1	4.शब्दकोश में वृद्धि 5.सूक्तियों का ज्ञान 6.राष्ट्रीय एकता की समझ एवं विश्व बंधुत्व की भावना का विकास
August	प्रथम एवं द्वितीय	कवीनां नामानि	पुस्तकाधारित ग्रंथ एवं रचनाकारों के नाम	4	1.संस्कृत साहित्य के प्रति अनुराग 2.संस्कृत कवि परिचय का ज्ञान 3.संस्कृत काव्य एवं काव्यकारों का ज्ञान
			अभ्यास एवं परीक्षण	1	
		शुकनासोपदेश: (पंचम: पाठ:)	पाठ परिचय एवं गद्य काव्य वैशिष्ट्य		1.संस्कृत गद्य परंपरा का ज्ञान 2.शुद्ध पठन एवं वाचन क्षमता का विकास 3.गुरूपदेश की महत्ता का ज्ञान 4.संधि एवं समस्त पदों का अवबोध 5.भारतीय संस्कृति एवं विश्व कल्याण की भावना का विकास
			(कादम्बरी के संदर्भ में)	2	
	तृतीय, चतुर्थ एवं पंचम		पाठ-अध्यापन	8	
			पाठ पुनरावृत्ति एवं अभ्यास	1	
		संस्कृत साहित्य की विभिन्न विधाओं का परिचय	गद्य,पद्य,नाटक, महाकाव्य,चम्पूकाव्य	4	1.संस्कृत की विभिन्न रचना शैली का परिचय 2.विभिन्न विधाओं का वैशिष्ट्य
September	प्रथम		रामायण एवं महाभारत	1	1.आदिकाव्य के वैशिष्ट्य का परिज्ञान 2.आदि ऐतिहासिक महाकव्य महाभारत का परिचय एवं वैशिष्ट्य का अवबोध
	तृतीय	सूक्तिसुधा परिचय	मुक्तक काव्य एवं काव्यकारों का परिचय	2	1.संस्कृत मुक्तक काव्य परंपरा का ज्ञान 2.सस्वर श्लोक वाचन के सामर्थ्य का विकास 3.संधियुक्त पदों के विच्छेद की समझ
			सूक्तिसुधा परिचय		
			पाठ अध्यापन	5	

	एवं चतुर्थ	(षष्ठ: पाठ:)	पुनरावृत्ति एवं अभ्यास	1	4.सूक्ति भंडार में वृद्धि 5.स्मरण शक्ति का विकास 6.नैतिक मूल्यों का विकास 7.लोककल्याणकारी भावनाओं का विकास
October	प्रथम	समास	समास परिचय एवं अव्ययीभाव	3	1.समास के विग्रह का ज्ञान
	द्वितीय	पत्रम्	औपचारिक पत्र (प्रार्थना पत्र) एवं अनौपचारिक पत्र (वर्धापन आदि)	4	1.लेखन शैली का विकास 2.भावाभिव्यक्ति क्षमता का विकास
	तृतीय एवं चतुर्थ	विक्रम स्यौदार्यम् (सप्तम: पाठ:)	पाठ परिचय	1	1.कथासाहित्य परंपरा का ज्ञान 2.मानवीय विशिष्टताओं का ज्ञान 3.मानव मूल्यों के प्रति आस्था 4.दानशीलता का विकास 5.प्रकृति प्रत्यय की समझ 6.संस्कृत अर्थावबोध का विकास
			पाठ व्याख्या	4	
			पुनरावृत्ति एवं अभ्यास	1	
		अपठितांश अवबोधनम्	अभ्यास	3	
	पंचम	समास	द्वन्द्व एवं बहुव्रीहि समास	4	1.पाठ्येतर गद्य की समझ 2.वाक्य एवं पद निर्माण की समझ 3.कर्तृ- कर्म- क्रिया- विशेष्य- विशेषण का ज्ञान 4.गद्य के भाव विशेष की समझ 5.शीर्षक निर्धारण क्षमता का विकास 6.पद परिवर्तन के नियमों का ज्ञान 7.चमत्कृत भाषा शैली का विकास समस्त पदों में हुए परिवर्तन का ज्ञान

Novembe r		भू- विभागा: (अष्टम: पाठ:)	पाठ परिचय एवं अध्यापन	2	1 पौराणिक भूगोल का ज्ञान 2.ऐतिहासिक ज्ञान 3.शब्दकोश का विकास 4.पठन एवं वाचन कौशल का विकास 5.सर्वधर्मसमभाव एवं सहिष्णुता का विकास 6.सप्तद्वीपावसुमती की समझ
	चतुर्थ एवं पंचम		पुनरावृत्ति एवं अभ्यास	1	
		प्रत्यय (कृदन्त)	क्त,क्तवतु, क्त्वा,ल्यप्,तव्यत्,अनीयर्,तुमुन्	4	1.प्रकृति एवं प्रत्यय की समझ 2.भाषा में तद्धितांत एवं कृदन्त शब्दों के प्रयोग का सामर्थ्य 3.चमत्कृत भाषा शैली का प्रयोग 4.शब्दकोश में अभिवृद्धि 5.समाज में प्रयुक्त सूक्ष्म पदों का निरीक्षण
			शतृ,शानच्,क्तिन्		
		प्रत्यय (तद्धित)	मतुप्,इन्,ठक्,ठञ्,त्व,तल्	2	
Decembe r	प्रथम एवं द्वितीय	कार्यं वा साधयेयं देहं वा पातयेयम् (नवम: पाठ:)	पाठ- परिचय	1	1.संस्कृत की नवीन गद्य शैली उपन्यास की प्रकृति की समझ 2.दृढ संकल्प शक्ति का विकास 3.स्वामीभक्ति एवं राष्ट्र प्रेम का विकास
			पाठ अध्यापन	3	
			पाठ पुनरावृत्ति एवं अभ्यास	1	
	द्वितीय	दीनबंधु श्रीनायार: (दशम: पाठ:)	पाठ परिचय एवं पाठ अध्यापन	2	"1.कथा साहित्य का अवबोध 2.अनूदित संस्कृत साहित्य का ज्ञान" 3.दानशीलता एवं सामाजिक दायित्व का अवबोध 4.कर्तव्यनिष्ठा, सत्यनिष्ठा एवं सेवा भावना का विकास
	तृतीय		पाठ पुनरावृत्ति एवं अभ्यास	1	
	तृताय एवं चतर्थ	समास	तत्पुरुष (व्यधिकरण)	4	समास के अधिगम प्रतिफल पूर्ववत्
			कर्मधारय एवं द्विगु		

	चतुर्थ		समास अभ्यास सम्पूर्ण	2	
	पंचम	उद्भिज्ज -परिषद् (एकादश: पाठ:)	पाठ परिचय एवं पाठ अध्यापन	1	1.आधुनिक संस्कृत रचनाओं का परिज्ञान 2.पर्यावरण के प्रति आत्मीयता का भाव
			पाठ अभ्यास	1	
January	प्रथम	अनुच्छेद लेखनम्	चित्र आधारित एवं संकेत आधारित	3	1.निरीक्षण क्षमता का विकास 2.वाक्य रचना एवं कल्पना शक्ति का विकास 3.अभिव्किित क्षमता का विकास
	द्वितीय	किन्तो: कुटिलता (द्वादश: पाठ:)	पाठ परिचय एवं पाठ अध्यापन	5	"1.भावात्मक लेख की समझ 2.निश्चयपूर्ण व्यवहार की अभिप्रेरणा" 3.शब्दकोश में वृद्धि 4.संधि एवं सामासिक पदों का ज्ञान
	तृतीय		पाठ पुनरावृत्ति एवं अभ्यास	1	
		कारक-उपपद विभक्ति	द्वितीया से पंचमी विभक्ति तक	4	1.अनुवाद कौशल का विकास 2.सुस्पष्ट भाषा का प्रयोग 3.कारक के विभिन्न नियमों का ज्ञान 4.उपपद के योग में होने वाली विभक्ति यों का ज्ञान
	चतुर्थ	योगस्य वैशिष्ट्यम् (त्रयोदश: पाठ:)	पाठ परिचय एवं अध्यापन	3	1.संस्कृत संवाद शैली का परिज्ञान 2.भाव प्रकाशन का सामर्थ्य 3.अष्टांग योग की समझ 4.नैतिक मूल्यों का विकास 5.भारतीय दर्शन की प्रारंभिक सोच
			अभ्यास	1	
	प्रथम		भूमिका	1	

February	द्वितीय	कथं शब्दानुशासनं कर्तव्यम् (चतुर्दश: पाठ:)	पाठ अध्यापन	3	1.संस्कृत व्याकरण दर्शन के प्रति अनुराग 2.ध्वनितत्व की समझ 3.शुद्ध शब्द व्यवहार हेतु प्रेरणा 4.व्याकरण अध्ययन परंपरा का ज्ञान
			पाठ पुनरावृत्ति एवं अभ्यास	1	
	तृतीय	कारक उपपद विभक्ति	ष्ठी एवं सप्तमी विभक्ति	3	कारक के अधिगम प्रतिफल पूर्ववत्
			कारक अभ्यास	2	
		पुनरावृत्ति	पाठ्य-पुस्तक पुनरावृत्ति		
			व्याकरण पुनरावृत्ति		
			आदर्श प्रश्नपत्र अभ्यास		
	चतुर्थ	पुनरावृत्ति एवं अभ्यास	पठितांशावबोधनम्		